Roll No. _____ S-20326

M.A. I[st] Semester, Examination-2021-22

(SANSKRIT)

Paper – II[nd]

[नाटक एवं नाट्य साहित्य का इतिहास]

Time : 2:30 Hours] [Maximum Marks : 80

नोट : इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड है, खण्ड 'अ' तथा 'ब'। खण्ड 'अ' तथा 'ब' प्रत्येक से किन्हीं चार–चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। खण्ड 'ब' में नवम् प्रश्न अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के उत्तर दी गयी उत्तर पुस्तिका में ही दीजिए। अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका नहीं दी जाएगी।

खण्ड–'अ'

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

4×5=20

1. महाकवि कालिदास की नाट्यकला की विवेचना कीजिए।
2. महाकवि भास का जीवन परिचय लिखिए।
3. महाकवि शूद्रक की काव्यकला को संक्षेप में प्रतिपादित कीजिए।
4. नाटक में विदूषक की भूमिका का निर्धारण कीजिए।
5. संस्कृत नाट्य साहित्य में वेणीसंहार का स्थान निर्धारण कीजिए।
6. संस्कृत नाटक की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

7. संस्कृत नाटक के उद्भव और विकास का परिचय दीजिए।
8. अधोलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए।
   (क) विष्कम्भक
   (ख) आधिकारिक कथा
   (ग) स्वगत
   (घ) नाटक

खण्ड–'ब'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

4×15=60

9. अधोलिखित में से किसी एक श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए।
   (क) इदं कविभ्यः पूर्वेभ्यो नमोवाकं प्रशास्महे।
   वन्देमहि च देवतां वाचममृता–मात्मनः कलाम्।
   (ख) वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि।
   लोकोत्तराणां चेतासि को हि विज्ञातुमर्हति।
   (ग) त्वं जीवितं त्वमसि मे हृदयं द्वितीयं
   त्वं कौमुदी नयनोरमृतं त्वमङ्गें।
   इत्यादिभिः प्रिय शतैरनुरुध्य मुग्धां
   तामेव शान्तमथवा किमतः परेण।

10. उत्तररामचरित के आधार पर भगवान राम का चरित्र चित्रण कीजिए।

11. उत्तररामचरित में वर्णित प्रकृति चित्रण का विश्लेषण कीजिए।

12. उत्तररामचरित नाटक की कथावस्तु का निरूपण कीजिए।

13. उत्तररामचरित में निहित आदर्श दाम्पत्य प्रेम को चित्रित कीजिए।

14. उत्तररामचरित में निहित नाटकीय गुण–दोषो की समीक्षा सोदाहरण कीजिए।

15. "उत्तरेरामचरिते भवमूतिर्विशिष्यते" इस युक्ति का समीक्षात्मक निरूपण कीजिए।

16. "एकोरसः करूणएव निमित्तमेदात्" इस कथन की विस्तृत विवेचना कीजिए।

★★★★★